डायमण्ड कॉमिक्स
D-575 6.00
प्राण
बिल्लू और
बजरंगी पहलवान

कार्टूनिस्ट प्राण

यह कॉमिक कार्टूनिस्ट प्राण की विभिन्न रचनाओं में से एक है. प्राण का जन्म कसूर नामक छोटे से कसबे में हुआ था, जो अब पाकिस्तान में है. विभाजन के बाद उनका परिवार ग्वालियर आकर बस गया. एम.ए. (राजनीति) और बम्बई में फाइन आर्ट्स का अध्ययन करने के बाद उनका कार्टूनिंग कैरियर 1960 में दैनिक मिलाप, नई दिल्ली से शुरू हुआ.

उन दिनों विदेशी कॉमिक स्ट्रिप्स का पूरे भारत में एकाधिकार था. प्राण ने इस एकाधिपत्य को समाप्त करने के विचार से भारतीय पात्रों को लेकर स्थानीय विषयों और समस्याओं पर कॉमिक्स बनानी शुरू की. उन्होंने एक आम मध्यम वर्ग की भारतीय गृहिणी को लेकर 'श्रीमतीजी' कॉमिक्स बनाई, जो अब 'मनोरमा' (इलाहाबाद) में प्रकाशित हो रही है. उनके दूसरे चरित्र 'चाचा चौधरी', 'रमन', 'बिल्लू', और 'पिंकी', सारे भारत में लोकप्रिय हो चुके हैं.

डायमण्ड कॉमिक्स ने उनकी स्ट्रिप्स को पुस्तकबद्ध करके एक नया आयाम दिया

1983 में स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्राण की राष्ट्रीय एकता पर बनाई गई कॉमिक्स 'रमन – हम एक हैं' का बिक्री के लिए विमोचन किया. 1982 वर्ष का ठिठोली पुरस्कार इनको देकर सम्मानित किया गया.

प्राण के चरित्रों की अत्यन्त लोकप्रियता का रहस्य है कि वे सीधे सरल हास्य द्वारा पाठकों को भीतर तक गुदगुदा देते हैं. उनके शब्दों में - "अगर मैं टैक्स और मंहगाई के बोझ से दबे भारतीयों को कुछ हंसा सकूं तो अपने मकसद को सफल समझूंगा".

—प्रकाशक

November 91

Printed and Published by: NARENDER KUMAR For Diamond Comics (P) Ltd. 2715, Darya Ganj, New Delhi and Printed at: Best Photo Offset Printers Okhla N.Delhi. Editor: Gulshan Rai.

क्लिक
यह फोटो बड़ा स्वाभाविक होगा.

बिल्लू! मेरी शादी पर सारे फोटो तुम खींचोगे.
बजरंगी! क्या सगाई हो गयी?

अभी नहीं. आज शाम मैं अपनी गर्लफ्रेंड भिंडी के बापू दमबम से मिलने जा रहा हूं. बताओ, मैं क्या करूं कि वह बुड्ढा खुश हो जाये?

जाते ही सबसे पहले उनके पैर पकड़कर प्रणाम करना. बुजुर्गों को यह अच्छा लगता है. साथ में गुलदस्ता ले जाना मत भूलना.

अपनी खुराक बढ़ा चढ़ा कर बताना जिससे लगे तुम नामी गिरामी पहलवान हो. बस, दमबम तुमसे प्रभावित हो जायेगा और अपनी बेटी की शादी तय कर देगा.

मैं ऐसा ही करूंगा.
हमारी शुभकामनाएं!

वक्त हो गया है. मुझे बढ़िया कपड़े पहनने चाहिए.

भिंडी का बापू- दमबम.

प्रणाम श्रीमान!
आऊ ऊ ऊ! दूर हट जा!

इनके पैर पर चोट लगी है. छूने से पैर का जख्म दर्द करने लगा.

लीजिए, मैं आपके लिये फूलों का गुलदस्ता लाया हूं.
तुमने कोमल फूल तोड़कर बगीचे को उजाड़ा? तुम्हें शर्म आनी चाहिए.

बापू पर्यावरण के प्रशंसक हैं.
मुझसे गलती हो गयी.

बोलो, तुम यहां कैसे आये?
मैं आपकी बेटी भिंडी से शादी करना चाहता हूं.

क्या काम करते हो?
मैं कोई मामूली आदमी नहीं, पहलवान हूं.

मेरी खुराक – साठ परांठे, ढाई किलो मटर पुलाव, पांच किलो गोभी, दस किलो दम आलू, तीन किलो बैंगन का भुर्ता, पंद्रह किलो हलवा और आठ किलो दही का रायता हर रोज खाता हूं.

तब तो मैं अपनी बेटी की शादी तुमसे कभी नहीं करूंगा. क्या वह बाकी की उम्र तुम्हारा खाना पकाने में बिता देगी?

मैं एक बावर्ची रख लूंगा.
कमाते कितना हो?
पैसा कुश्ती से आता है. कुश्ती जीत जाऊं तो दस हजार रुपये, हार जाऊं तो पंद्रह हजार!

हैं? वह कैसे?
पंद्रह हजार जीतने वाला पहलवान मुझे हार जाने के लिए देता है. कौन सा पहलवान जीतेगा और कौन सा हारेगा यह कुश्ती शुरू होने से पहले ही तय हो जाता है.

रिश्वतखोर को मैं अपना दामाद बनाऊं? कभी नहीं!

मुझे माफ कर दीजिए. मैं अच्छा आदमी बनने की कोशिश करूंगा.

तुमने गलती मान ली. हम खुश हुए. जाओ! सगाई की अंगूठी लेकर आओ!

बजरंगी! बड़े खुश नजर आ रहे हो?
बिल्लू! बुड्ढा दमबम अपनी बेटी की शादी मुझसे करने के लिए मान गया है.

लेकिन एक अड़चन है. सगाई की अंगूठी खरीदने के लिए मेरे पास पैसे नहीं हैं.
उसका भी इन्तजाम हो जायेगा.

खजबाम राय रेणुका से शादी करने गया था. लड़की ने इन्कार कर दिया. वह अंगूठी तुम्हारे काम आ जायेगी.

बजरंगी! खुशनसीब हो. लो, यह अंगूठी तुम ले जाकर अपनी होने वाली पत्नी को पहनाओ.

काम बन गया!

पिंडी! हाथ आगे करो. मैं हीरे की अंगूठी ले आया.

तुम्हारी उंगली में फिट आयी है.

कितनी खूबसूरत है. महंगी होगी?

अंगूठी!
रेणुका ! तुम ?
खजबाग राय ! मैंने गम्भीरता से सोचा और यह तय किया कि तुम्हारे साथ शादी करना ही मुनासिब होगा. शादी की अंगूठी मेरी उंगली में पहनाओ

वह बजरंगी ले गया है. जाकर उससे वापस लानी होगी.

बजरंगी ! रेणुका शादी को राजी हो गयी है. अंगूठी वापस लेने आया हूं.

तुमने अंगूठी मेरी उंगली से क्यों उतार ली?
यह रेणुका के लिए मैंने खरीदी थी.

तुमने धोखा किया? किसी दूसरी औरत की अंगूठी मुझे पहनायी? मैं तुमसे कभी शादी नहीं करूंगी.

मैं गुरू गुरजा से ब्याह रचा लूंगी.
वह तुम्हें क्या देगा?
वह एक महान संगीतज्ञ है.

गाने में मैं भी किसी से कम नहीं.

अच्छा! मुझे शास्त्रीय संगीत सुनने का बड़ा शौक है. अगर तुम कुछ सुना दो तो मैं आज ही अपनी बेटी का हाथ तुम्हारे हाथों में दे दूं.

पकड़े गये. मुझे तो 'जय जगदीश हरे ...' की आरती के सिवा कुछ नहीं आता.

कहां चल दिये ?
मैं वाद्य लेने जा रहा हूं. बिना उसके संगीत का क्या मजा आयेगा ?

बजरंगी जरूर ऊंचा संगीतकार है. तभी बिना वाद्य के वह नहीं गाता.

बिल्लू ! मैं मुसीबत में फंस गया हूं. वह मुझे गाने को कह रहे हैं. वह मेरे लिए पत्थर पर फूल उगाने के बराबर है.

यह हारमोनियम की शक्ल वाला टू-इन-वन तुम्हारी मुश्किल आसान करेगा.

इस में मैं भीम सैन जोशी का कैसेट डाल-कर बटन दबाता हूं.

सुनो ! शास्त्रीय गायन बज रहा है. तुम्हें सिर्फ़ मुंह हिलाकर गाने की एक्टिंग करनी है.
वाह !
अगर मैं शादी की घोड़ी पर सवार हुआ तो तुम्हें सरबाला बनाऊंगा.

बजरंगी पहलवान और शास्त्रीय गायन ? कहीं मैं सपना तो नहीं देख रहा ?
अगर मैं आंखों से न देखता तो मुझे भी विश्वास न होता कि वह इतना मधुर गा सकता है.

अहा ! मेरे कानों से अमृत लहर टकरा रही है.
बापू ! संगीत सम्राट बजरंगी गाते हुए इधर आ रहे हैं

वाह! अगर ऐसे गुण वाला दामाद मिल जाये तो मुझे और क्या चाहिए?

संगीत सम्राट! तुम चुप क्यों हो गये? गाओ!

लगता है, टू-इन-वन में अचानक बैट्री के सैल खत्म हो गये हैं.

तुमने मुझे धोखा दिया? निकल जाओ!

मिस्टर जेम्स बांड
5 फुट 9 इंच!

मैं 5 फुट 7 इंच हूं. जोज़ी! क्या तुम मुझसे ज्यादा लंबी हो? नामुमकिन.
यह सम्भव है.

क्योंकि 5 इंच हील के मैंने सैंडिल पहन रखे हैं. यथार्थ में मेरी ऊंचाई 5 फुट 4 इंच है
© PRAN'S FEATURES

लम्बा होना फायदेमंद होता है. मेरे एक चचा लम्बे हैं कि वह बिना स्टूल के छत का पंखा साफ कर लेते हैं.

छोटे होने के भी फायदे हैं!
जोज़ी! क्या तुमने कुछ कहा?
नहीं.

मैं कह रहा हूं.
तुम?
मेरा नाम टिंडूराम है. मैं पैदायशी ठिगना हूं.

मुझे लम्बा होने की कोई इच्छा नहीं. क्योंकि मैं गेटकीपर की आंख बचाकर सिनेमा हाल में घुस जाता हूं और मुफ्त में हर फिल्म देख लेता हूं.

यही नहीं, बस में मैं टिकट नहीं लेता. भीड़ में मैं कंडक्टर की निगाह से बचा रहता हूं.

MINISTRY OF DEFENCE
टिंडूराम! देखो सामने रक्षा विभाग के हैड क्वार्टर्स हैं. यहां सिक्युरिटी सबसे ज्यादा कड़ी है. अगर तुम उस दफ्तर में जाकर दिखा दो तो हम तुम्हें मान जायें.
मुझे मौके का इन्तजार करने दो.

यह मोटा अफसर अंदर आ रहा है. मैं इसकी आड़ ले सकता हूं.
मुझे किसी ने नहीं देखा.

थक गया हूं. बैग से लटक जाऊं. मेरा बोझ इसे महसूस नहीं होगा.

ओहह! मेजर साहब आ रहे हैं. इस तोप में घुसना मुनासिब होगा.

?

दरवाजा बन्द है. पौधे पर चढ़ कर रोशनदान से अन्दर आया जा सकता है.

छलांग!
यह कर्नल साहब की मेज पर. शायद वह जरूरी मीटिंग में गये हैं.

वह आ गये. मुझे छुप जाना चाहिए.

सिक्युरिटी गार्ड आ रहा है. मुझे कालीन के नीचे चले जाना चाहिए.

हां! मिस्टर जेम्स बांड! आंख मिचौली काफी हो चुकी. अब बाहर आ जाओ.
?

कमाल है. मुझे आज तक कोई नहीं देख सका. फिर तुम्हारी निगाह मुझ पर कैसे पड़ गयी?

हमारे टी.वी. सर्किट पर तुम लगातार निगरानी में थे. उसका री-प्ले देख लो!

जाओ! इस बार माफ कर देते हैं. फिर कभी इधर का रुख न करना.

सुस्ती और चुस्ती
सूरज सिर पर आ गया है. बिल्लू अभी तक सो रहा है.
मैं इसकी सुस्ती भगाती हूं.

बाथरूम में जाओ और नहाकर तरोताज़ा हो जाओ.
मम्मी!

आधा घंटा बीत गया.
बिल्लू अभी तक नहाकर बाहर नहीं आया? क्या वजह है?

बाथरूम के अंदर कोई हलचल नहीं हो रही? न पानी गिरने की आवाज आ रही है.

खर्र! खर्र!

तुम्हारे सोते सोते नल का पानी चला गया!

ढोल की आवाज से कुम्भकर्ण की नींद भाग जाती थी, यह लड़का किस बाग की मूली है.

डममा-डमम
खर्र! खर्र!

कमाल है. बजातेबजाते ढोल फट गया. मगर यह लड़का अभी तक सोया है?
खर्र! खर्र!
उसके खर्राटों के आगे ढोल की आवाज दब गयी.

मेरे बड़े भाई साहब साहिल फौज में मेजर हैं. उनको टेलीफोन करके बुलाता हूं. उनको सुस्त व्यक्तियों से नफ़रत है.

हैलो! भाई साहब! जरा आइए. बिल्लू को चुस्ती की जरूरत है.

थोड़ी देर बाद.
कहां है वह?
इधर लेटा है.

मेजर साहिल का भतीजा और इतना सुस्त? उठो! परेड सारी सुस्ती भगा देती है.

अटेंशन!

मार्च! लैफ़्ट-राइट! लैफ़्ट-राइट... लैफ़्ट

..राइट! लैफ़्ट-राइट! .. लैफ़्ट-राइट!..

मेजर साहब बिल्लू से निपट लेंगे. हम चैन से आराम करते हैं.

रुक क्यों गये? क्या मैंने हाल्ट कहा?

मेजर चचा! मैंने देखा कि घर से अभी सुस्ती गयी नहीं.

मेरे रहते यह कैसे हो सकता है?

भाई! भाभी! दिन में सोना आलस की निशानी है. गेटअप!

मार्च! लैफ्ट-राइट--- लैफ्ट-राइट--- लैफ्ट---

नट्टू की दौड़

कहो, मोनू! दौड़ लगाओगे?
नट्टू! मैं तुम्हें कई बार मात दे चुका हूं.

आज मैं उसी का बदला चुकाना चाहता हूं. जो हार जाये वह जीतने वाले को अपनी शर्ट दे दे.

यह तुम इसलिए कह रहे हो क्योंकि मेरी टांग में प्लास्टर चढ़ा है और मैं दौड़ नहीं सकता.
चैलेंज किसी वक्त भी दिया जा सकता है. दौड़ो या अपनी कमीज उतार दो.

माजरा क्या है?
बिल्लू! कल मैं आम के पेड़ से गिर पड़ा और मेरी टांग पर प्लास्टर चढ़ गया. मेरी मजबूरी देखकर नट्टू दौड़ के लिए ललकार रहा है

आऊ ऊ ऊ!
फिसलता!

क्या तुम मेरी दूसरी टांग भी तोड़ने की योजना बनाकर आये थे? क्या एक लंगड़ा दो टांगों वाले से दौड़ जीत सकता है? असम्भव.

नट्टू! हमें चैलेंज मंजूर है. मोनू की एक टांग तो सलामत है. वह उसी से दौड़ेगा.
तुम दोस्त हो या दुश्मन?

दौड़ हमारे स्कूल पर खत्म होगी.
--एक!--दो!--और तीन!

असम्भव को सम्भव बनाने का नाम ही बिल्लू है. यह रोलर्स पहनो.

नट्टू तो काफी दूर तक पहुंच गया होगा.
यह रोलर्स बालबीयरिंग वाले सुपरफास्ट हैं.

बिल्लू! तुमने मरवा दिया!

सचमुच यह रफ्तार पकड़ रहे हैं.

वह लगड़ा तो दस मीटर्स भी नहीं चल पाया होगा .

नट्टू ! कहीं थक तो नहीं गये ?
?!!

उफ़ फ़ फ़ ! अब मेरी- उफ़ फ -- सांस --- उफ़- फ-- फूलने लगी है--- फ़ फ़ फ़ !

यह लो मेरी टी शर्ट !
स्कूल

स्कूल और क्रिकेट
मोनी, बॉय ! मैं जा रहा हूं .

बिल्लू ! आज हमारी महिलाओं की किटी पार्टी का दिन है. मुझे वहां जाना है. शाम को लौटकर आऊंगी .
अच्छा, मम्मी !

नत्थू ! बिल्लू टी. वी. देखने में व्यस्त है. कहीं वह स्कूल जाना न भूल जाये.
मैं पूरा ख्याल रखूंगा बीबीजी !
© PRAN'S FEATURES

बिल्लू! यह लो बस्ता. तुम्हारा स्कूल जाने का टाइम हो गया है.

टी. वी. बन्द करता हूं.
अररर! एक मिनट के लिए रुको.

टी. वी. पर क्रिकेट टैस्ट शुरू होने वाला है. टॉस किस टीम का कप्तान जीतता है. यह देखकर मैं स्कूल रवाना हो जाऊंगा.

भारत ने टॉस जीता.
क्या अब टी. वी. बंद कर दूं?

ठहरो! मैं यह देखना चाहता हूं कि भारत की तरफ से ओपनिंग बैट्समैन कौन आ रहा है.

सचिन तेंदुलकर!

वाह! पहली गेंद पर ही चौका! उसने शानदार खाता खोला.

नत्थू काका! अब मेरा दिल स्कूल जाने को बिलकुल नहीं है. मैं सारा दिन क्रिकेट टैस्ट देखूंगा. मम्मी शाम को घर लौटेंगी. उसे क्या पता चलेगा कि पीछे से मैं स्कूल गया था या नहीं?

लेकिन बिल्लू अब तुम्हें क्रिकेट टैस्ट छोड़ना पड़ेगा.
क्यों?

क्योंकि तुम्हारे स्कूल के प्रिंसिपल श्री डिसिप्लिन राय तुम्हें पकड़कर स्कूल ले जाने के लिए आ रहे हैं.

मर गये! मैं इस कमरे में छुप जाता हूं. नत्थू! तुम प्रिंसिपल साहब से कहना कि मैं घर पर नहीं हूं. जब वह चले जायेंगे मैं फिर से क्रिकेट मैच देखना शुरू कर दूंगा.

बिल्लू साहित्य की एक किताब स्कूल की लायब्रेरी से इश्यू कराकर ले आया था. उसकी अचानक जरूरत पड़ गयी है.

लेकिन जनाब! घर में कोई नहीं है.

कोई बात नहीं. मुझे पता है, बिल्लू किताबें उस अलमारी में रखता है. मैं उसे निकाल लेता हूं.

?

साहित्य की किताब के साथ विद्यार्थी भी मिल गया.
चलो स्कूल!

परिवार के सभी लोग बाहर चले गये. क्यों न आराम से क्रिकेट मैच देखा जाये.

गोभी का फूल
मम्मी! आज खाने में क्या पकाया है?
बैंगन का भुर्ता.

तुम हर रोज बैंगन का भुर्ता ही बनाती हो. मुझे यह डिश पसन्द नहीं.
यह लो थैला. तुम्हें जो पसंद हो वह सब्जी बाजार से ले आओ.

मैं गोभी लाऊंगा. वह कई दिनों से नहीं खायी.

बाकू चचा! गोभी का क्या भाव है?
पांच रुपये किलो.
महंगी है.
HOTEL

बाकू की सब्जी फाइव स्टार होटलों में जाती है. इससे उमदा तरकारी शहर भर में नहीं मिलेगी.
ठीक है. दे दो एक किलो.

थैले में डाल दो.

बिल्लू! गोभी ताजी लगती है. कहां से खरीद
बाकू सब्जी वाले से.

उसकी सब्जी उमदा किस्म की होती है. मगर बालू को तराजू की डंडी मारने की आदत है.

गब्दू! उसने सब्जी मेरे सामने तौली थी.
उस भार तौलने की मशीन पर तुम गोभी रख सकते हो.

हैं? आठ सौ ग्राम. पूरी दो सौ ग्राम कम! लौटकर मुझे बालू से शिकायत करनी चाहिए.

क्या? कम तौल? धर्म कांटे में हेरफेर हो सकता है, मगर बालू के तराजू में बिलकुल फर्क नहीं निकलेगा.
मगर मैंने गोभी भार तौलने की मशीन पर तौली है.

मशीन? मैंने अभी उस पर अपना भार तौला है. उसके अनुसार मेरा वजन सिर्फ सात सौ पचास ग्राम है-- वह मशीन खराब है.

लड़के, जाओ! कोई दूसरा सबूत लेकर आओ.

मुझे उपभोक्ता के अधिकार के लिए लड़ना चाहिए. कम सब्जी क्यों लूं?

STORES
कहो बिल्लू? क्या चाहिए? हल्दी, दाल या चावल?
तुम्हारी तराजू पर मुझे एक गोभी का वजन लेना है.
लाओ!

ओह ह! गोभी गिर गयी!
धप धप!

नहीं!

ओह! मेरी गोभी!

मम्मी! खाने में मुझे बैंगन का भुर्ता ही दे दो.

अलादीन की दरी
बरखुरदार! अम्पायरी करते हुए यह दाढ़ी सफेद हो गयी, लेकिन किसी को अकेले क्रिकेट खेलते हुए नहीं देखा. इस खेल के लिए कम से कम दो खिलाड़ियों, एक बाउलर और दूसरा बैट्समैन की जरूरत होती है.
चाचा! मैं आपको अकेला खेलकर दिखाऊंगा.

© PRAN'S FEATURES

स्टाक्क

कुछ दूरी पर -
भूख लगी है. कुछ खा लिया जाये.

बुड्ढे! खबरदार!
कहो, भाई! भूखे हो? आओ मेरे साथ बैठकर खाना खाओ.

नहीं! मुझे तुम्हारे गले में पहने हुए कीमती मोती चाहिए.

स्टाक!
यह छक्का है!

धड़ाक
आऊ ऊ!

भागो!

मेरी गेंद.

बच्चे! तुम्हारी वजह से मेरी जान बची. लो, अंगूर खाओ.

वाह! स्वादिष्ट हैं. ऐसे अंगूर यहां नहीं मिलते.
मेरा नाम बोलबान है. मैं तुर्किस्तान से आया हूं. यह फल वहीं के हैं.

आप यहां से कैसे आये?
उस उड़ने वाली दरी पर बैठकर मैं यहां आया.

बाबा! आप अच्छा मज़ाक कर लेते हैं. अगर दरियां उड़ने लगें, तो संसार की एयरलाइंस का बिजनेस ठप हो जाये.
यह मामूली दरी नहीं है. यह मेरे लकड़दादा अलादीन की है. पुरानी ज़रूर है, लेकिन तुम उस पर बैठकर देख सकते हो?

लो, मैं इस पर सवार हो गया.
कहो, 'उड़ चल!'

उड़ चल!

अररर! यह क्या? मुझे नीचे उतारो!
हा! हा! घबराओ नहीं!

तुम इस उड़ने वाली दरी पर सैर कर सकते हो.
अच्छा सुझाव है

चलो!

मैं दूर दूर तक देख सकता हूं.

ओह! मेरी पतंग की डोर टूट गयी.

दोस्त! तुम्हारी पतंग कहीं नहीं जायेगी.

धन्यवाद, बड़े भाई!

सीरियल मनोरंजक है.
कौतूहल बढ़ गया है.

ओह! टी॰ वी॰ को क्या हो गया?

एंटीना में दरी अटक गयी.

कौन हमारे एंटीना को तोड़ रहा है?
धीरज रखो. मैं अपनी दरी को सलाखों से अलग कर रहा हूं.

शुक्र है, एंटीना से छुटकारा मिला.

अब दरी ऊंची और ऊंची आ रही है.

पर्वत श्रृंखला? लगता है, मैं माउंट एवरेस्ट के ऊपर उड़ रहा हूं.

हमारे देश की सीमा के अंदर कोई अजनबी उड़ रहा है. वह दूसरे देश का जासूस लगता है. ओवर!

बागग!
उस जासूस को गिराने के आदेश मिले हैं. फायर!

ओह! तोप के गोले. शायद मैं दूसरे देश की सीमा में भटक गया हूं.

वह बादलों में लुप्त हो गया है. एअर-फोर्स भेजो!

मर गये! लड़ाकू विमान मेरा पीछा कर रहे हैं.

वक्त पर मैंने गोता मार दिया.

ददडडड़!
राकेटों की बौछार!

अलादीन की दरी छलनी हो गयी. यह नीचे की तरफ लुढ़क रही है.

उऊऊ!

चचा बोलबान! तुम्हारी दरी में जगह जगह छेद हो गये हैं.
तुम सही सलामत वापस आ गये, इसमें हमारी खुशी है.

तुम कहां चल दिये?
दरी को रफूगर से मरम्मत कराने. तभी यह काम आ सकेगी.

डायमण्ड कॉमिक्स में

महाबली शाका

[illegible]

महाबली शाका के

20 कामिक्सो का शानदार सैट

[illegible]

चाचा चौधरी सीरीज

[illegible]

विश्व प्रसिद्ध कामिक्स चरित्र

फैण्टम सीरीज

फैण्टम-I	12.00	फैण्टम-IX	12.00
फैण्टम-II	12.00	फैण्टम-X	12.00
फैण्टम-III	12.00	फैण्टम-XI	12.00
फैण्टम-IV	12.00	फैण्टम-XII	15.00
फैण्टम-V	12.00	फैण्टम-XIII	15.00
फैण्टम-VI	12.00	फैण्टम-XIV	15.00
फैण्टम-VII	12.00	फैण्टम-XV	15.00
फैण्टम-VIII	[illegible]	फैण्टम-XVI	15.00

मैण्ड्रेक सीरीज

मैण्ड्रेक-I	15.00
मैण्ड्रेक-II	15.00
मैण्ड्रेक-III	15.00
मैण्ड्रेक-IV	15.00

जेम्स बाण्ड सीरीज

[illegible]

गिनेस बुक आफ रिकार्ड्स

गिनेस बुक ऑफ रिकार्ड्स-I	15.00
गिनेस बुक ऑफ रिकार्ड्स-II	15.00
गिनेस बुक ऑफ रिकार्ड्स-III	15.00

डायमण्ड कॉमिक्स प्रा. लि. 2715, दरियागंज, नई दिल्ली-110002

DIAMOND COMICS
YOU WILL LOVE TO READ

MAGIC TRICKS

MINI BOOKS

KEEPFIT SERIES

Ginger
Onion
Garlic
Turmeric
Salts
Milk Ghee
Curd & Whey
Sugarcane
Honey
Neem
Aanwala
Asafoetida
Lemon
Papaya
Alam
Bel
Grapes, Pamegranrtes, Apple & Orange
Gauva & Banana
Water
Carrots, Turnips and Beetroots
Vegetables and Leaves
Tea, Coffee
Fruit and Flowers
Mangoes
Peepal, Tulsi, Barget and Salras
Mint Leaves, Coriander Leaves, Tamarind
Musk Melon, Water Melon
Maize, Gram, Ground Nuts
Coconut
Dry Fruits
Clove, Betelnut and Cardoman
Ajwain, Aniseeds, Black Pepper, Cinnamon, Tejpat, Licorice, Til

SEX SERIES

Body Care During After Pregnancy
Breast Care
Family Planning & Birth Control
Pregnancy & Child Care
All about Female Sexual Disorder
Sex for Young Couples
Enhance Your Sexual Potency
101 Questions About Sex & Their Answers
Sex for Adolescents

HEALTH SERIES

Asthama & Allergies
Conquest Depression
Yoga For Better Health
How to Keep Fit
Insomnia and Anaemia
Causes & Cure of Migrane Pain
Causes & Cure of Diabetes
Causes & Cure High Blood Pressure
Children Diseases
Acupunture & Acupressure
First Aid
Aids
Domestic Remedies of Common Ailment
Smack and Drug Abuse
Alcohol & Alcoholism
Cancer
Beauty Care
Homoeopathic Care
Better Eye Sight Without Glasses
Heart Ailment
Ayurvedic Treatment for Common Ailment
Causes & Cure of Mental Tension
Naturopathic Care
Shed Weight Add Life
Add Inches
Magnetotherapy

MUSIC SERIES

How to Play Tabla
How to Play Harmonium
How to Play Flute
How to Play Sitar

JOKES SERIES

Latest Jokes
Tenaliram Jokes
Funny Jokes
Great Jokes
Jokes for all
Jokes Jokes & Jokes
Filmi Jokes
Top Jokes
Akbar Birbal Jokes
Professional Jokes
Party Jokes
Midnight Jokes
Selected Jokes
Modern Jokes
Children Jokes
Lover's Jokes

COOKERY SERIES

Fruit Drinks & Cordials
Indian Cook Book
Breakfast Specialities
Bengali & Other Sweets
Mughlai Cook Book
South Indian Cook Book
Pickles Chutnies & Jams
Gujarati Cook Book
Soups
Ice Cream Cakes & Pasteries
Chinese Cook Book
Punjabi Cook Book
Vegetarian Cook Book
Non Vegetarian Cook Book

GAMES SERIES

How to Play Volley Ball
Athletics
Swimming
Judo Kungfu
Judo Karate
Boxing
Gymnastic
How to Play Cricket
How to Play Hockey
How to Play Football
How to Play Tennis
How to Play Badminton
How to Play Table Tennis

OTHER BOOKS

Kitchen Gardening
Magic Tricks
Be An Efficient Secretary
How to Improve Your English
How to Succeed in Share Market
Some Tried & Tested Domestic Formula For Money Saving
How to Become a Millionaire
3500 Names For Babies
Efficient House Keeping
Numerology
Face Reading
Develop Your Personality
Public Speaking
Basic Computer Knowledge
Diamond Guide to Flowers
Astrology

Price Rs. 5.00 Each

CHILDREN BOOKS

Chacha Nehru	5.00
Lord Rama	5.00
Lord Shiva	5.00
Sai Baba of Shirdi	5.00
Santoshi Mata	5.00
Lord Krishna	5.00
Shakuntala	5.00
Vaishno Devi	5.00
Rama Krishna Paramhansa	5.00
Eklavya the obedient Disciple	5.00
Florence Nightingale	5.00
Indira Gandhi	5.00
Folk Tales from Rajasthan	5.00
Tales from Arabian Nights	5.00
Birbal's Wit-I	5.00
Birbal's Wit-II	5.00
Mother Terresa	5.00
Sharwan Kumar	5.00
Stories from Hitopadesh	5.00
Folk Tales of Nagaland	5.00
Folk Tales of Haryana	5.00
Abhimanyu	5.00
Stories from Panch Tantra-I	5.00
Stories from Panch Tantra-II	5.00
Folk Tales of Andhra Pradesh	5.00
Our Bapu	5.00
Folk Tales of Punjab	5.00
Laxmi Bai Rani of Jhansi	5.00
Lord Buddha	5.00
Lord Ganesha	5.00
Durga Mata	5.00
Swami Vivekanand	5.00
Prahlad	5.00
Dhruva	5.00

DIAMOND COMICS PVT. LTD. ! 2715, DARYA GANJ, NEW DELHI-110002

एक बार एक भाई बहन जंगल में घूमने गये। वहाँ उन्हें एक खूबसूरत परी मिली जिसके हाथ में एक जादू की छड़ी थी।
परी ने पूछा, "प्यारे बच्चों, तुम कहाँ जा रहे हो?"
"अपनी नानी के लिये फूल लाने," वो बोले। परि फिर बोली, "पर देखो तो पत्थर और काँटों ने तुम्हारे जूतों का क्या हाल बना दिया है।"
जूतों को देखते ही उनका दिल भर आया। वो बिल्कुल फट चुके थे।
ऊपर नज़र उठाई तो परी गायब हो चुकी थी, पर उनके लिये, "फुट-फन" जूतों के दो मज़बूत और खूबसूरत जोड़े छोड़ गई थी।
FOOTFUN
collection from
LIBERTY
नन्हें पैरों के लिये पूरा आराम
MEGACORP/413/91